भाषा संस्कृत भाषा के 'भाष' नामक धातु से बना है जिसका अर्थ होता है- बोलना या कहना।

वस्तुतः जिस वार्तालाप या लेख के माध्यम से हम अपने विचारों को प्रकट करते है, वही भाषा है; अर्थात हम अपने अन्तःनिहित विचारों को दुसरे तक पहुँचाने और उससे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भाषा को माध्यम या साधन के रूप में उपयोग करते है।

प्रयोक्ता अपने विचारों को प्रकट करने हेतु शब्दो का आश्रय लेता है और ये शब्द किसी सार्थक ध्वनि प्रतीकों से निर्मित होते है।

इसी प्रकार लेखन के अन्तर्गत भी सार्थक ध्वनि प्रतीक चिन्हों का आश्रय लेते है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि भाषा सार्थक ध्वनि प्रतीको की वह व्यवस्था है जिसके माध्यम से इसके प्रयोक्ता या जीव परस्पर विचारो का आदान प्रदान करते है। विचारो का यह आदान-प्रदान मौखिक या लिखित अथवा दोनों ही रूपों में हो सकता है।

रामचन्द्र शर्मा के अनुसार " मुख से उच्चारित होने वाले शब्दो और वाक्यों आदि का वह समूह जिसके द्वारा मन की बात बताई जाए भाषा कहलाता है।"

स्वीट के अनुसार " ध्वन्यात्मक शब्दो द्वारा विचारों को प्रकट करना ही भाषा कहलाता है।

Scanned with CamScanner

(1) Background of Students Influence classroom Interaction.
कक्षा-कक्ष अन्तःक्रिया में छात्रों की पृष्ठभूमि का प्रभाव :-

कक्षा-कक्ष भाषा तथा बोल-चाल में आदान-प्रदान किसी न किसी के माध्यम से होता है। भाषा मनुष्यों के साथ-साथ अन्य प्राणियों के साथ भी किया जाता है। जानवरों की भी अपनी भाषा होती है जिस प्रकार मनुष्य अपनी आवश्यकता की लिए पूर्ति के लिए किसी दूसरे व्यक्ति से भाषा विचार की अभिव्यक्ति करता है। ठीक उसी प्रकार जानवर भी मौखिक या सांकेतिक भाषा में विचारों की अभिव्यक्ति कर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है।

जैसे :- बच्चा का रोना माँ से भूख की अभिव्यक्ति।

कक्षा-कक्ष वह स्थल है जिसे हम प्रत्यक्ष शिक्षा से परिभाषित करते है, जहाँ पर छात्र तथा शिक्षक एवं प्रधानाचार्य का मिलन होता है और अन्तः क्रियाओं को किया जाता है जिसका साधन व माध्यम भाषा है।

कक्षा-कक्ष में छात्रों की पृष्ठभूमि का प्रभाव :-

(i) छात्रों के भौगोलिक क्षेत्र का प्रभाव
(ii) सांस्कृतिक क्षेत्र का प्रभाव
(iii) सामाजिक क्षेत्र का प्रभाव
(iv) आर्थिक क्षेत्र का प्रभाव
(v) राजनैतिक क्षेत्र का प्रभाव

Scanned with CamScanner

कक्षा-कक्ष में छात्रों के भौगोलिक क्षेत्र का प्रभाव →

कक्षा-कक्ष में विभिन्न भौगोलिक क्षेत्र से पढ़ने या सीखने के लिए छात्र क्लास में एकत्रित होते हैं कुछ जनजातीय क्षेत्र से कुछ ठण्डे प्रदेश से कुछ बड़े महानगरों से आते हैं जिसमें भाषायी विभिन्नता होने के कारण कक्षा में भी बहुभाषिकता का वातावरण उत्पन्न होता है जिसका प्रभाव कक्षा में उपस्थित शिक्षक एवं सभी छात्र भाषा की दृष्टि से प्रभावित होता है।

जैसे → K.V.S. विद्यालय में
आर्मी विद्यालय आदि की कक्षाओं में उत्तरभाषी एवं दक्षिण भाषी का समावेश दिखाई देता है जिसमें छात्रों को भाषा सम्बन्धी समायोजन करने में कठिनाई होती है।

अतः कहा जा सकता है कि कक्षा-कक्ष की भाषायी कठिनाइयों को दूर करने के लिए सरकार का विद्यालयों में बहुभाषा का ज्ञान, विद्यार्थियों को कराया जाय। जिससे क्लास में भाषा सम्बन्धी भौगोलिक प्रभाव का निराकरण किया जा सके।

कक्षा-कक्ष की अन्तःक्रिया में छात्रों की सामाजिक पृष्ठभूमि का प्रभाव :—

जैसा की हम सभी जानते हैं कि देश या विश्व में विभिन्न सामाजिक संगठन एवं समाज होते हैं उनकी अपनी भाषा होती है जैसे → मराठी समाज, गुजराती, भोजपुरी समाज अर्थात इन्हीं सामाजिक क्षेत्र से बालक

Scanned with CamScanner

विद्यालय की क्लास में उपस्थित होता है जिसका प्रभाव विद्यालय की कक्षा पर पड़ता है।

जैसे → सभ्य समाज का बालक क्लास में अच्छे बोल - भाषा - विचार, आदर्श प्रस्तुत करेगा। वहीं असभ्य समाज का बालक - गाली, अपशब्द आदि आदर्श पेश करेगा। जिसका प्रभाव क्लास में उपस्थित सभी बालकों पर पड़ेगा।

अतः सरकार, शिक्षक, माता-पिता आदि की जिम्मेदारी होनी चाहिए को बच्चा क्लास में जाने से पहले कुछ भाषा सम्बन्धी सामान्य जानकारी हो सके।

बालों के सांस्कृतिक क्षेत्र का प्रभाव :—

कक्षा- कक्ष की अन्तः क्रिया पर सांस्कृतिक क्षेत्र का प्रभाव पड़ता है।

सांस्कृतिक भिन्नता के कारण हमारा देश एक सांस्कृतिक रूप से भिन्नता लिये हुए देश है। बालक जिस संस्कृति में रहता है उसी के रीति-रिवाज, धर्म, परम्परा आदि को जानता है और उसी सांस्कृतिक वातावरण से सीखता है। बालक मातृभाषा के द्वारा ही अपनी रीति- रिवाज, परम्पराएँ आदि जानता है। जिसका प्रभाव कक्षा - कक्ष की अन्तःक्रिया पर पड़ता है।

बालों के आर्थिक क्षेत्र का प्रभाव :—

किसी भी कक्षा-कक्ष के अन्तःक्रिया पर बालों की आर्थिक पृष्ठभूमि का प्रभाव पड़ता है। क्योंकि क्लास में उपस्थित बच्चे विभिन्न आर्थिक पृष्ठभूमि से सम्बन्धित होते है। जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से क्लास को प्रभावि करता है।

Scanned with CamScanner

उच्च आर्थिक स्थिति वाला बालक का रहन-सहन, कहाँ, मित्र मण्डली उच्च सभ्य स्तर की होती है वहीं गरीब छात्र मलिन बस्ती एवं जनजातीय क्षेत्र से सम्बन्ध रखते हैं जिनकी भाषाई विकास उसके क्षेत्र स्तर पर हो पाता है लेकिन जब वह विद्यालय में प्रवेश करता है तो वह अमरी छात्र गरीब छात्र एवं गरीब छात्र अमीर छात्र के साथ-२ शिक्षक आदि को प्रभावित करता है।

अतः हम कह सकते हैं कि सरकार को देश की गरीबी रेखा से नीचे के बच्चों की आर्थिक स्थिति के सुधार पर काम कर उन्हें सभ्य समाज से जोड़े और बहुभाषा से परीचित करायें।

छात्रों के राजनैतिक क्षेत्र का प्रभाव :—

कक्षा-कक्ष के अन्तः क्रिया पर छात्रों के राजनीतिक क्षेत्र का भी प्रभाव पड़ता है क्योंकि इतिहास गवाह है कि क्षेत्र विशेष की सरकार बदली वह की भाषा भी बदल जाती है जैसे- 1956 ई० तक त्रिभाषा सूत्र लागू करने में राजनैतिक अड़चने पदा हुई लेकिन 1964-66 ई० और 1968 आयोग के द्वारा त्रिभाषा सूत्र लागू कर बच्चों की भाषा दिक्कतों को समाधान किया गया। यही समस्या केन्द्र स्तर की भाषा लागू करने में भी विवाद है। जिसमें राजनीति प्रमुख भूमिका निभाते हैं। जिसका प्रभाव क्लास की अधिगम शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावित करती है।

Scanned with CamScanner

विद्यालय ऐसा स्थान है। जहाँ पर विभिन्न क्षेत्र के छात्र उपस्थित होकर भाषा का आदान-प्रदान करते हैं। जैसा कि क्लास की अन्तःक्रिया पर बच्चे की भौगोलिक क्षेत्र का प्रभाव पड़ना लाजमी है। इसी तरह सामाजिक क्षेत्र का प्रभाव कक्षा-कक्ष की अन्तः क्रिया पर पड़ता है।

क्योंकि समाज अलग-अलग होते हैं, बालक उसी प्रकार अपना विकास करता है। उसका विकास उसी प्रकार होता है जिस प्रकार उसका समाज होता है जिसका सम्बन्ध बालक से होता है और बालक विद्यालय की कक्षा में अपना प्रभाव शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक तरीके से डालता है जिस क्लास की शिक्षण अधिगम प्रक्रिया प्रभावित होती है।

बच्चे की आर्थिक पृष्ठभूमि कक्षा की अधिगम प्रक्रिया को प्रभावित करती है क्योंकि गरीब बालक की पढ़ाई अच्छी नहीं हो पाती इस कारण वह क्लास की भाषा, समाज को अपने आपको समायोजन करने में ~~असमर्थ~~ असमर्थ होता है जिससे शिक्षण अधिगम प्रक्रिया प्रभावित होती है।

Scanned with CamScanner